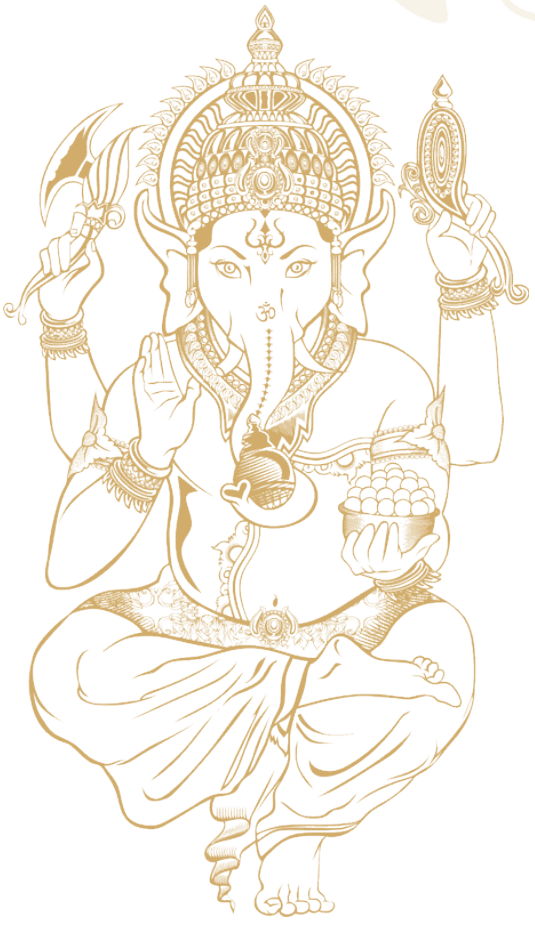

# Adityaraj

# Muskan

Model: Love-Horoscope

Order No: 120911001

Model: Love-Horoscope

Order No: 120911001 Date: 12/01/2026

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 12/08/1999 | जन्म तिथि | 20/07/1999 |
| गुरुवार | दिन | मंगलवार |
| घंटे 13:54:54 | जन्म समय | 15:05:05 घंटे |
| घटी 19:43:33 | जन्म समय(घटी) | 23:03:21 घटी |
| India | देश | India |
| Ujjain | स्थान | Indore |
| 23:11:00 उत्तर | अक्षांश | 22:42:00 उत्तर |
| 75:50:00 पूर्व | रेखांश | 75:54:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:26:40 | स्थानिक संस्कार | -00:26:24 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 06:01:28 | सूर्योदय | 05:52:22 |
| 19:01:37 | सूर्यास्त | 19:12:43 |
| 23:50:54 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:50:51 |

| | | |
|---|---|---|
| वृश्चिक | लग्न | वृश्चिक |
| मंगल | लग्न लग्नाधिपति | मंगल |
| सिंह | राशि | तुला |
| सूर्य | राशि-स्वामी | शुक्र |
| मघा | नक्षत्र | चित्रा |
| केतु | नक्षत्र स्वामी | मंगल |
| 3 | चरण | 4 |
| परिघ | योग | सिद्ध |
| बव | करण | बव |
| मू-मुकेश | जन्म नामाक्षर | री-रीतिका |
| सिंह | सूर्य राशि(पाश्चात्य) | कर्क |
| क्षत्रिय | वर्ण | शूद्र |
| वनचर | वश्य | मानव |
| मूषक | योनि | व्याघ्र |
| राक्षस | गण | राक्षस |
| अन्त्य | नाड़ी | मध्य |
| मूषक | वर्ग | मृग |

# ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

| विंशोत्तरी | | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| केतु 3वर्ष 5मा 13दि | | 10:59:45 | वृश्चि | लग्न | वृश्चि | 06:48:30 | मंगल 1वर्ष 6मा 26दि | |
| सूर्य | | 25:21:21 | कर्क | सूर्य | कर्क | 03:24:09 | गुरु | |
| 25/01/2023 | | 06:45:17 | सिंह | चंद्र | तुला | 03:40:23 | 14/02/2019 | |
| 24/01/2029 | | 23:29:12 | तुला | मंगल | तुला | 12:03:02 | 14/02/2035 | |
| सूर्य | 14/05/2023 | 06:53:23 | कर्क | बुध व | कर्क | 13:31:32 | गुरु | 03/04/2021 |
| चन्द्र | 13/11/2023 | 10:52:15 | मेष | गुरु | मेष | 09:07:18 | शनि | 15/10/2023 |
| मंगल | 20/03/2024 | 07:52:54 | सिंह व | शुक्र | सिंह | 09:35:23 | बुध | 20/01/2026 |
| राहु | 11/02/2025 | 23:03:23 | मेष | शनि | मेष | 21:55:14 | केतु | 27/12/2026 |
| गुरु | 01/12/2025 | 19:06:51 | कर्क व | राहु व | कर्क | 19:13:57 | शुक्र | 27/08/2029 |
| शनि | 13/11/2026 | 19:06:51 | मक व | केतु व | मक | 19:13:57 | सूर्य | 15/06/2030 |
| बुध | 19/09/2027 | 20:47:07 | मक व | हर्ष व | मक | 21:41:06 | चन्द्र | 15/10/2031 |
| केतु | 25/01/2028 | 08:40:32 | मक व | नेप व | मक | 09:17:26 | मंगल | 20/09/2032 |
| शुक्र | 24/01/2029 | 13:54:06 | वृश्चि व | प्लूटो व | वृश्चि | 14:07:20 | राहु | 14/02/2035 |

व - वक्री  स - स्थिर
अ - अस्त  पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

**23:50:54  चित्रपक्षीय अयनांश  23:50:51**

## लग्न-चलित

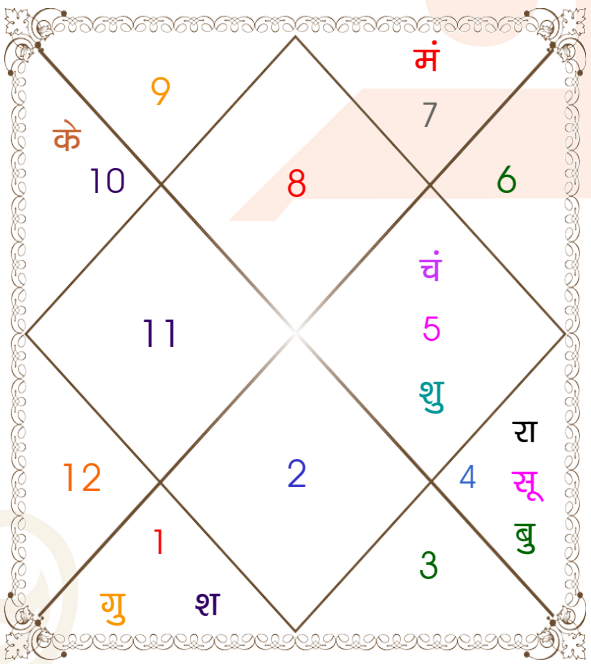


## लग्न-चलित

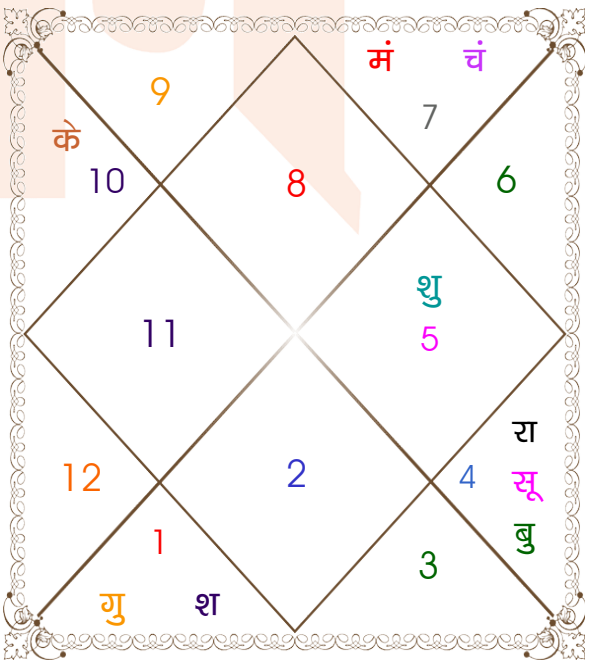

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | क्षत्रिय | शूद्र | 1 | 1.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | वनचर | मानव | 2 | 0.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | साधक | प्रत्यारि | 3 | 1.50 | -- | भाग्य |
| योनि | मूषक | व्याघ्र | 4 | 2.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | सूर्य | शुक्र | 5 | 0.00 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | राक्षस | राक्षस | 6 | 6.00 | -- | सामाजिकता |
| भकूट | सिंह | तुला | 7 | 7.00 | -- | जीवन शैली |
| नाड़ी | अन्त्य | मध्य | 8 | 8.00 | -- | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 25.50 | | |

कुल : **25.5 / 36**

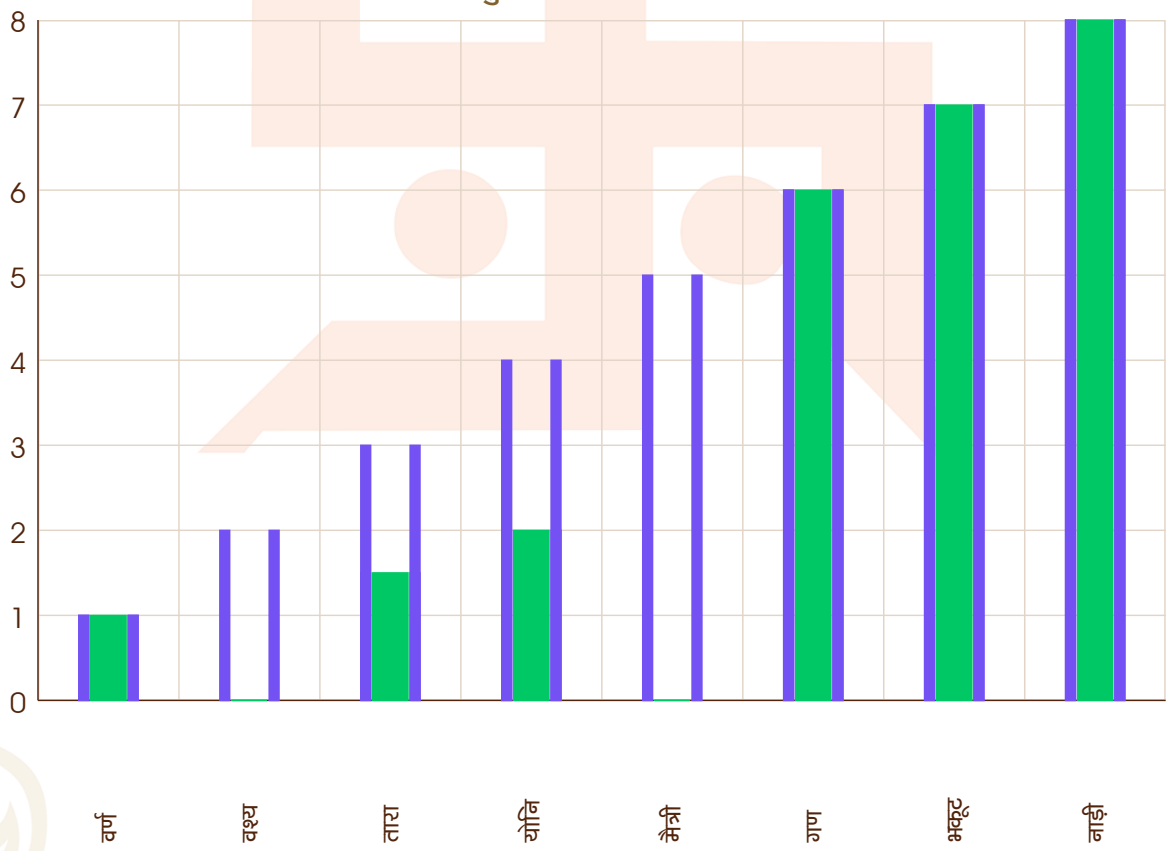

# अष्टकूट मिलान

Adityaraj का वर्ग मूषक है तथा Muskan का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Adityaraj और Muskan का मिलान अत्युत्तम है।

## मंगलीक दोष मिलान

Adityaraj मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

**व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।**
**द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।**

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Adityaraj कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Muskan मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

**व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।**
**द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।**

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Muskan कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।**
**न मंगली मंगल राहु योग।**

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Muskan कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।**
**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Muskan कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।**
**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Adityaraj कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Adityaraj तथा Muskan में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

# अष्टकूट फलादेश

## वर्ण

Adityaraj का वर्ण क्षत्रिय तथा Muskan का वर्ण शूद्र है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाव से Muskan वैश्विक मां की भूमिका अदा करने वाली होगी तथा सभी की देखभाल तथा सेवा बिना थके, बिना शिकायत किये करती रहेगी। साथ ही परिवार के किसी भी सदस्य अथवा Adityaraj से कभी तर्क-वितर्क नहीं करेगी। अपने इसी आतिथ्य भाव के कारण सभी की प्रशंसा का पात्र बनेगी।

## वश्य

Adityaraj का वश्य वनचर है एवं Muskan का वश्य द्विपद (मनुष्य) है। जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। वनचर मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु होता है तथा जब भी मौका मिलता है वनचर मनुष्य पर आक्रमण कर उसे मारकर खा जाता है। इसी प्रकार वैवाहिक संबंधों में भी दोनों एक-दूसरे के लिए शत्रु साबित होंगे। Adityaraj और Muskan के के बीच अक्सर आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलता रहेगा। दोनों समय समय पर एक दूसरे का अपमान करते रहेंगे। एक दूसरे की परवाह भी कम ही करेंगे। दोनों अक्सर लड़ाई-झगड़ा, एक-दूसरे पर वार एवं अपमान करते रहेंगे। जिससे परिवार की सुख-शांति भंग हो सकती है। ऐसी स्थिति में संतान भी अति क्रोधी, असामाजिक एवं अमानवीय व्यवहार करने वाले हो सकती है।

## तारा

Adityaraj की तारा साधक तथा Muskan की तारा प्रत्यरि है। Muskan की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। संभाव है कि यह विवाह Adityaraj एवं उसके परिवार के लिए हानिकारक साबित हो। Muskan का स्वभाव बिल्कुल लापरवाह, स्वार्थी एवं असहयोग की भावना वाली हो सकती है तथा भविष्य मे अपने स्वार्थ की पूर्ति करने में ही लगी रह सकती है। साथ ही Muskan के अवैध संबंध तक भी हो सकते हैं जिसके फलस्वरूप पति, बच्चों एवं संपूर्ण परिवार को काफी कष्ट एवं पीड़ा का सामना कर पड़ सकता है। Adityaraj अत्यधिक आध्यात्मिक हो सकता है तथा अपना अधिकांश समय आध्यात्मिक गतिविधियों में ही व्यतीत करता रहेगा।

## योनि

Adityaraj की योनि मूषक है तथा Muskan की योनि व्याघ्र है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे

जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

## मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Adityaraj एवं Muskan दोनों के राशि स्वामी परस्पर शत्रु हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अत्यधिक बुरा मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि में यदि दोनों के राशि स्वामी परस्पर शत्रु हों तो इसे अत्यधिक बुरा मिलान माना जाता है। जिसके कारण Adityaraj एवं Muskan के बीच किसी प्रकार का प्रेम नहीं रहेगा तथा दोनों में काफी वैचारिक भिन्नता, तनाव, झगड़ा, मुकदमेबाजी यहां तक कि तलाक आदि की स्थिति भी बन सकती है। परिवार में शांति एवं सौहार्दता के अनुपस्थित रहने के कारण घर में हमेशा पैसे का अभाव बना रह सकता है तथा अपनी न्यूनतम आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भी Adityaraj दवं Muskan को काफी संघर्ष करना पड़ सकता है। इनके बच्चे अयोग्य, बात नहीं सुनने वाले तथा जीवन में काफी हद तक असफल होते हैं।

## गण

Adityaraj का गण राक्षस है तथा Muskan का गण भी राक्षस है। अर्थात Muskan का गण Adityaraj के गण के समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण Adityaraj एवं Muskan दोनों के स्वभाव, विचार तथा पसंद-नापसंद एक जैसे होंगे। यद्यपि कि दोनों के स्वभाव क्रूर, निष्ठुर एवं असंवेदनशील होंगे किंतु फिर भी एक-दूसरे के लिए ये अति अनुकूल एवं आदर्श साबित होंगे।

## भकूट

Adityaraj से Muskan की राशि तृतीय भाव में स्थित है तथा Muskan से Adityaraj की राशि एकादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके

कारण Adityaraj अति महत्वाकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा अच्छा कमाने वाले होंगे। दूसरी ओर Muskan सद्गुणी, परिश्रमी, सहयोगी एवं दयालु होंगी तथा अपने पति की हर क्षेत्र में हर संभव सहायता करेंगी। दोनों के बीच मधुर तालमेल, एक-दूसरे की अच्छी समझ होगी। ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों।

## नाड़ी

Adityaraj की नाड़ी अन्त्य है तथा Muskan की नाड़ी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। अन्त्य एवं मध्य नाड़ी दो महत्वपूर्ण जीवनी शक्तियों पित्त एवं कफ की कारक हैं। जिसके कारण दम्पत्ति का परस्पर प्रेम, अनुकूलता, अच्छा भविष्य, सहयोग की भावना बनी रहेगी। आपकी संतान शक्तिशाली, बुद्धिमान, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

# मेलापक फलित

## स्वभाव

Adityaraj की जन्म राशि अग्नितत्व युक्त सिंह तथा Muskan की वायुतत्व युक्त तुला राशि है। नैसर्गिक रूप से अग्नि एवं वायुतत्व में समानता पाई जाती है। अतः Adityaraj और Muskan के मध्य स्वाभाविक समानताएं रहेगी परन्तु समय समय पर मतभेद एवं विवाद भी उत्पन्न होंगे। अतः मिलान मध्यम रहेगा।

Adityaraj की राशि का स्वामी सूर्य तथा Muskan की राशि का स्वामी शुक्र परस्पर शत्रुभाव में पड़ते है। अतः इसके प्रभाव से Adityaraj और Muskan के मध्य परस्पर विरोध एवं वैमनस्य का भाव रहेगा। साथ ही परस्पर एक दूसरे के गुणों की उपेक्षा करेंगे तथा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे फलतः परस्पर संबधों में कटुता तथा तनाव रहेगा एवं एक दूसरे के प्रति सहयोग एवं सहानुभूति के भाव की भी न्यूनता रहेगी। इसके अतिरिक्त Adityaraj की तेजस्वी प्रवृति से भी यदा कदा अशांति उत्पन्न होगी।

Adityaraj और Muskan की राशि परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शास्त्रानुसार शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त अशुभ फलों में न्यूनता होगी तथा यत्नपूर्वक परस्पर सामंजस्य स्थापित करके एक दूसरे को सुख एवं सहयोग प्रदान करने के लिए उद्यत रहेंगे। साथ ही एक दूसरे के प्रति आकर्षण स्नेह एवं समर्पण के भाव में भी वृद्धि होगी। Adityaraj और Muskan की आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धनार्जन में सफल रहेंगे।

Adityaraj का वश्य वनचर तथा Muskan का वश्य मानव है। वनचर एवं मानव में नैसर्गिक शत्रुता एवं विषमता विद्यमान रहती है अतः Adityaraj और Muskan की अभिरूचियों में विषमता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं असमान रहेंगी फलतः दाम्पत्य संबधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में असमर्थ होंगे।

Adityaraj का वर्ण क्षत्रिय तथा Muskan का वर्ण शूद्र है। अतः Adityaraj पराक्रमी एवं साहसी कार्यो को करने में प्रवृत रहेंगे। Muskan की प्रवृति किसी भी कार्य को बिना किसी वरीयता के परिश्रम एवं ईमानदारी से सम्पन्न करेंगी । फलतः कार्य क्षेत्र में उन्नति मार्ग प्रशस्त रहेंगे ।

## धन

Adityaraj और Muskan की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों समर्थ होंगे। Adityaraj और Muskan की राशि तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उनकी आय में नित्य वृद्धि होगी जिससे अर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी। साथ ही मंगल का प्रभाव भी सम रहेगा। अतः धनार्जन होता रहेगा।

Muskan एक सौभाग्यशाली महिला होंगी अतः उन्हें अचानक धन प्राप्ति की पूर्ण संभावना होगी। यह लाटरी या सटटे या किसी अन्य माध्यम से हो सकता है। साथ ही पैतृक सम्पति या जायदाद भी उनको मिलेगी जिससे दम्पति धन एवं ऐश्वर्य से युक्त रहकर अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

## स्वास्थ्य

Adityaraj अन्त्य तथा Muskan का जन्म मध्य नाड़ी में हुआ है। अतः नाड़ी दोष का इन पर कोई प्रभाव नहीं रहेगा तथा जीवन में गभीर खतरों से ये सुरक्षित रहेंगे। लेकिन मंगल का Adityaraj और Muskan दोनों के स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव रहेगा जिससे दोनों धातु या गुप्त संबधी रोगों से परेशानी की अनुभूति कर सकते है। साथ ही Adityaraj की संभोग शक्ति में शिथिलता एवं हृदय संबंधी रोग भी उत्पन्न हो सकता है। उन्हें मूत्र संबंधी कष्ट की भी उन्हें प्राप्ति होगी जिससे दाम्पत्य जीवन में अनावश्यक कलह तथा अशांति होगी। अतः इसके प्रभाव को कम करने के लिए Adityaraj और Muskan को हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास भी रखने चाहिए।

## संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Adityaraj और Muskan का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Adityaraj और Muskan के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Muskan के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Muskan को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Muskan को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Adityaraj और Muskan सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Adityaraj और Muskan का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

## ससुराल-सुश्री

Muskan के सास से प्रायः अच्छे संबध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांत Muskan के लिए

अनुकरणीय हो सकते है। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

Muskan अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकार Muskan के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

## ससुराल-श्री

Adityaraj की सास से संबधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर Adityaraj सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन Adityaraj ससुर के साथ मधुर संबधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का Adityaraj के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।

## Adityaraj

आपका जन्म अनुराधा नक्षत्र के तृतीय चरण में वृश्चिक लग्न के उदयकाल में हुआ था। आपका जन्म तुला नवमांश एवं मीन के द्रेष्काण के प्रभाव से लग्न का प्रभाव अति उच्चाकांक्षी एवं प्रभावशाली प्रतीत होता है एवं सूचित करता है कि आप मात्र निष्कपट प्राणी ही नहीं है, बल्कि आप सर्वथा धनी एवं संभव वैदेशिक परिभ्रमण परिदर्शनार्थी होंगे। आपमें धूमने फिरने की उत्कट लालशा विद्यमान है। आपको कतिपय वैदेशिक भूमि का परिभ्रमण क्रम में कार्य-व्यवसाय की अनुकूलता की संभावनाओं के कारण विदेश में अपना निवास भी बना सकते हैं।

आप अपने जीवन के उद्देश्यित कार्य संपादन हेतु समर्थ होंगे। आप अच्छी प्रकार यह जानते हैं कि लोगों के द्वारा किस प्रकार कुछ भी प्राप्त किया जाता है। आप किसी के साथ भी सन्निकटता प्राप्त करने में मास्टर है तथा शक्ति एवं अधिकृत पद प्राप्त कर सकते हैं। आप अपने व्यवसाय में कैसे उन्नति कर सकते हैं इस युक्ति पर आपको पूर्ण आस्था है। साथ ही आप चिकनी चुपड़ी एवं मीठी-मीठी बातें कर जनसामान्य को अपने वाक्य जाल में फंसा कर अपने प्रति विश्वासी बना लेते हैं। वास्तविकता तो यह है कि आप बाहर से और तथा अंदर हृदय से कुछ और है। आपके वाह्याचरण एवं अंतरंगता में भिन्नता है।

आप अपनी कार्य योजना के गुप्त रहस्यों को स्वयं जानते हो क्योंकि आप अपने अनुकूल समर्थ किसी अन्य को नहीं समझते। इससे आपको आश्चर्यजनक अनुकूलता प्राप्त होती है तथा अकस्मात् उछलकर अपने लक्ष्य की पूर्ति के लिए सुगमतापूर्वक कार्य संपादन कर लेते हैं।

आप में व्यक्तिगत रूप से उच्च महत्वकांक्षा विद्यमान हैं। आपका मुख्य उद्देश्य धन प्राप्त करना है। आप अपनी उपलब्धि के प्रति अपने मस्तिष्क में कोई बल नहीं देते। अर्थात् कोई विशेष चिंतनशील नहीं बनते हैं।

यदि ऐसी परिस्थिति आ जाय कि कोई व्यक्ति अनैतिकपूर्ण आचरण अर्थात् बेईमानी करें तो उसके प्रति प्रतिशोधात्मक रवैया अपनाकर, उसे प्रताड़ित करने अर्थात् सताने लगते हैं। यदि एक बार आप हिंसक प्रवृति अपना लेते है तो फिर आप जहरीले बिच्छू की भांति सतत् उस व्यक्ति को संतप्त करते रहते हैं।

आप भूमि से संबंधित व्यवसाय कर सकते हैं। यथा कृषिकार्य, खदान में खनिज खनन का कार्य, भूमि के नीचे अभियंत्रिकी कार्य आदि जो आपको उपयुक्त लगे वह कार्य कर सकते हैं। आप अभिनय कार्य अथवा कलाभवन अर्थात् साज-शय्या संबंधी कार्य में विशिष्टता प्राप्त कर सकते हैं।

आप परिवारिक जीवन से युक्त रहने को महत्त्व देते हैं। आप अपनी प्यारी

पत्नी एवं समझदार अर्थात् उदीयमान पुत्र से युक्त अपना परिवारिक जीवन यापन हेतु उत्सुक रहते हैं।

आप अपनी आगामी कार्य योजना की अच्छी शुरूआत हेतु आश्वस्त रहते हैं। आप अपनी जीवन संगिनी की उपुयक्ता हेतु जिसका जन्म वृश्चिक, मीन, कर्क, कन्या, मकर अथवा वृष राशि में हुआ है वह जीवन संगिनी आपके लिए अच्छी रहेगी। तब आप उस पत्नी को अपने योग्य चयन कर सकते हैं जो आपको अच्छी संतान एवं सुखमय परिवार का आनंद दे सकती है।

आपके लिए अनुकूल रंग जो जीवन में अनिवार्यता की भूमिका प्रदान कर सके। उस रंग यथा पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंगों का चयन एवं पसंद कर सकते हैं परंतु सफेद रंग, हरा एवं नीला रंग अनुपयुक्त एवं त्याज्यनीय है।

अंकों में 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक आपके लिए अनुकूल है, परंतु 5, 6 एवं 8 अंक सर्वथा अनुपयुक्त है।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

## Muskan

आपका जन्म अनुराधा नक्षत्र के द्वितीय चरण में वृश्चिक लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्या राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। यह नक्षत्रीय समन्वयन इसका सूचक है कि आप वैदेशिक यात्रा करेंगी। यदि आप अपने कार्य कुशलता को समुचित रूप से प्रस्तुत किया तो ऐसी आशा है कि आपको विदेश में पुनर्वासित होने का सौभाग्य प्राप्त हो सकता है। सामान्यतया यह अस्थिरता का प्रतीक है कि आप अनेको बार वैदेशिक भ्रमण करेंगी क्योंकि आपमें अत्यंत ही भ्रमण करने की लालशा विद्य मान है।

आपका जनसामान्य के साथ अपरिवर्तनीय कपट पूर्ण व्यवहार होता रहेगा। आप प्रसन्नचित मुद्रा में अति मधुर भाषा में महत्वपूर्ण बाते करेंगी। आप सदैव विभिन्न प्रकार से अनेक मनोदशा से युक्त हृदय को संतुष्ट करने वाली बातें करेंगी। आप किसी भी व्यक्ति के साथ व्यवसायिक व्यवहार से ऊपर उठने अर्थात् उन्नति करने के उद्देश्य से बात करने के पश्चात यह महसूस करती हैं।

आप अपनी व्यवसायिक उन्नति एवं अपने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए किसी भी प्रकार का आचरण कर किसी भी हद तक जा सकती हैं।

आप सांसारिक सुखों की प्राप्ति एवं प्रसन्नता हेतु अच्छी प्रकार से विज्ञ हैं। आप अपने लाभदायक उपलब्धि हेतु तथा धन संचय हेतु अपने संबंधित व्यक्तियों को व्यवहार में लाएंगी। एक बार यदि धन प्राप्ति में सफल हो गए तो पुनः अपने संबंधी अथवा मित्रों को किसी

भी प्रकार से सहायता करने में कोई अनिच्छा नहीं दिखाएंगी।

व्यवसायों में आपके लिए अनुकूल पेशा फिल्म अभिनेत्री, माइनिंग अभियंत्रिकी का पद उत्तम एवं लाभप्रद होगा। आप कृषि कार्य, कृषि उत्पादन एवं तेल इंजिन आदि का व्यवसाय करेंगी।

आप सदैव अपने परिवार की अच्छी सेवा किस तरह से किया जाए। ऐसा चिंतन करती हैं। आप किसी भी प्रकार की दुर्भावनाओं को त्याग कर अनेक प्रकार से अतिरिक्त समय निकाल कर अपने पारिवारिक सदस्यों की प्रसन्नता देना ही अपना लक्ष्य समझेंगी। आप एक समझदार, सहायक पति एवं उदीयमान संतान को प्राप्त करने के संबंध में भाग्यशाली हैं। यदि आप अपने लिए जीवन संगी का चयन करना चाहें तो जिस जातक का जन्म वृश्चिक, मीन, कर्क, मकर, वृष तथा कन्या राशि में हुआ हों उनके साथ आपका सामंजस्य पूर्ण जीवन व्यतीत हो सकता हैं।

आप परिष्कृत ढंग से किसी भी प्रकार की कपटपूर्ण युक्ति में विश्वास रखती हो। इस प्रकार आप अपने धन का थोड़ा बहुत अंश भी अपव्यय कर दिए तो परिणाम स्वरूप आपको धन का अभाव हो जाएगा। अतः कुछ भी बचत करनी चाहिए। यदि आप अपने अतिरिक्त अपव्ययकारी आदतों का त्याग नहीं कर सकीं तो आपके बैंक में यथेष्ठ धन जमा नहीं हो सकेगा।

आपके लिए अनुकूल व्यवसाय इंजिनीयरिंग, कृषि कार्य, चर्मोउद्योग एवं तेल इंजिन का कार्य व्यवसाय आदि लाभकारी प्रतीत होता है। उपरोक्त व्यवसायों में अपनी अभिरूचि के अनुसार व्यवसाय का चयन कर सकती हैं। इन व्यवसायों में जिस व्यवसाय से आप संबंधित हैं उसे भी करते रहने से लाभ होगा। यदि आप अभिनय के क्षेत्र में प्रशिक्षण प्राप्त करें अथवा साहस करे तो यह कार्य भी अनुकूल हैं। वैसे स्वर्ण माइंस का कार्य अथवा स्वर्ण जेवरात बनाने का कार्य भी कर सकती हैं।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु कुछ वर्षो के बाद ऐसी आशंका है कि आप कुछ रोगों से आक्रांत हो सकते है। यथा ग्रंथि रोग एवं अनिंद्रा रोग का दुष्प्रभाव पड़ सकता है। अस्तु आपको पहले ही सुरक्षात्मक कदम उठाना उत्तम है।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में लाभदायक एवं समय को अनुकूल बनाने वाला अंक 1, 2, 3, 4, 7 एवं 9 अंक है। परंतु अंक 5, 6 एवं 8 अंक त्यागनीय है।

आपके लिए रंगों में सफेद रंग, हरा एवं नीला रंग अनुकूल नहीं हैं। स्पष्टतः आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी, एवं क्रीम रंग अनुकूल एवं मनभावन है।

## Adityaraj

आपका जन्म दिनांक 12 है। एक एवं दो के जोड़ से तीन आपका मूलांक हुआ। एक का स्वामी सूर्य दो का चन्द्र तथा तीन का गुरु है। मुख्य प्रभाव मूलांक तीन के स्वामी गुरु का आपके जीवन पर पड़ेगा। थोड़ा-बहुत प्रभाव सूर्य एवं चन्द्र का रहेगा। इन सभी ग्रहों के सम्मिलित प्रभाववश आप एक बुद्धिशील, विद्वान व्यक्ति होंगे। सूर्य प्रभाव से दृढ़शीलता, प्रखरता आयेगी। चन्द्र प्रभाव मानसिक कल्पना शीलता में वृद्धि करेगा एवं गुरु प्रभाव से आध्यात्मिकता, विद्या, लेखन-पठन के गुण आपके अन्दर आयेंगे।

आप अपने जीवन में एक सन्तुलित व्यक्ति रहेंगे एवं ऐसे ही कार्यों को करना पसन्द करेंगे, जिनमें मेहनत, ईमानदारी से लाभ हो। आपके इस गुण का विरोधी फायदा उठायेंगे और ईर्ष्यावश आपको प्रताड़ित करने की कोशिश करेंगे। लेकिन आप अपने दृढ़शीलता के व्यवहार से परास्त करने में सक्षम रहेंगे।

आपको ऐसे कार्यों में लाभ रहेगा, जहाँ बुद्धि का प्रयोग अधिक होता है। ज्ञान-विज्ञान इत्यादि के क्षेत्रों में भी आपकी रुचि रहेगी एवं भाषण, लेखन, वक्तव्य कला आदि में निपुण रहेंगे। बचपन एवं जवानी की अपेक्षा वृद्धावस्था में आपके ज्ञान का लाभ दूसरों को प्राप्त होगा।

## Muskan

आपका जन्म दिनांक 20 है। दो एवं शून्य का जोड़ दो आपका मूलांक होता है। मूलांक दो का स्वामी चन्द्र तथा शून्य शिव या ब्रह्म है। इनके संयुक्त प्रभाव से आप एक सौम्य, सुन्दर एवं कल्पनाशील महिला होंगी। कल्पना शक्ति आपकी श्रेष्ठ रहेगी। अधिकांश कार्य आप अपनी बुद्धि से करेंगी। शारीरिक कार्यों में आपकी रुचि कम होगी। चन्द्र प्रभाववश आप अपनी योजनाओं में काट-छांट करने की आदी रहेंगी। इससे आपका कार्य देर से पूर्ण होगा। आपकी कुछ योजनाएं अधर में ही लटक जायेंगी। जिनका आपको पछतावा होगा तथा मानसिक यातना भी होगी।

मन आपका चंचल होने से आप गतिशील रहना पसन्द करेंगी। इस स्वभाव से आप दूर-दूर की यात्राएं करेंगी तथा देश विदेश का भ्रमण करेंगी। एकाध यात्रा तो ऐसी होंगी जो आपका भाग्य बदल देंगी। आत्मविश्वास की आप में कमी रहेगी। इससे कई कार्य आपके समय पर पूर्ण नहीं होंगे। कभी-कभी आप निराशा में डूब जायेंगी और शून्य की भाँति आपको जीवन अंधकारमय लगेगा। लेकिन धैर्य एवं साहस से कुछ समय उपरांन्त आप पुनः खोई हुई प्रतिष्ठा को प्राप्त कर लेंगी।

सामाजिक स्थिति आपकी अच्छी रहेगी। जनता के मध्य आप लोकप्रिय रहेंगी। इससे आपकी मानसिक स्थिति काफी संतुलित रहेगी। चन्द्र स्वभाव से आपको सर्दी-जुकाम,

कफ इत्यादि के रोग यदा-कदा पीड़ित करेंगे। मानसिक ऊर्जा का आप अधिक प्रयोग करेंगी। इस कारण कभी-कभी सिर दर्द, मानसिक तनाव इत्यादि होंगे। वैसे मूलांक के प्रभाव से आप अपने जीवन में एक सफल, लोकप्रिय तथा हैसियत वाली महिला होंगी।

## Adityaraj

भाग्यांक तीन का अधिष्ठाता बृहस्पति ग्रह को माना गया है। इसको गुरु भी कहते हैं। गुरु ग्रह के प्रभाववश आप धार्मिक, दानी, उदार, सच्चरित्र, ज्ञानी, विद्वान, परोपकारी, शान्त स्वभाव, सत्य पर आचरण करने वाले व्यक्ति के रूप में ख्याति प्राप्त करेंगे। अनुशासन में रहना एवं दूसरों से अनुशासन की अपेक्षा करना आपका प्रमुख गुण रहेगा। आप अपने अधिनस्थों से अधिकांश कार्य अपने बुद्धि कौशल से निकलवाने में सिद्धहस्त होंगे।

सामाजिक, राजनैतिक क्षेत्रों में आपकी रुचि रहेगी एवं आवश्यकता के समय समाज सेवा के कार्य से पीछे नहीं हटेंगे। धर्म-कर्म के कार्यों में आपकी रुचि रहेगी। गुरु धन-सम्पदा का दाता ग्रह है। अतः गुरु के प्रभाव से अपने कर्मक्षेत्र, रोजगार के क्षेत्र में अच्छी सम्पदा एकत्रित करेंगे। भूमि, वाहन, सम्पत्ति का अच्छा सुख प्राप्त करेंगे। ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में रुचि लेंगे और ऐसा कार्य करना पसन्द करेंगे जिनमें आपके अनुभव, ज्ञान का भरपूर उपयोग होता है। और आपको पूर्ण सम्मान, यश धन इत्यादि मिले।

## Muskan

भाग्यांक एक का अधिष्ठाता सूर्य ग्रह को माना गया है। इसके प्रभाव से आप अपने कार्यक्षेत्र में एक चतुर, बलवान, बुद्धिमान, राजसी ठाटबाट को पसन्द करने वाली स्पष्ट वक्ता होंगी। आप स्वभाव से गम्भीर, उदार हृदय, परोपकारी, सत्य के मार्ग पर चलने वाली यशस्वी तथा विरोधियों को परास्त करने में विश्वास रखने वाली शूरवीर महिला के रूप में पहचान स्थापित करेंगी। आपका जीवन चक्र एक मुखिया की भाँति संचालित होगा अर्थात आप हुकूमत पसन्द, स्वतंत्र तथा स्थिर विचारधारा पर निर्भीक चलेंगी। अहं या स्वाभिमान आपमें कूट-कूट कर भरा होगा।

आपकी महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति, आपकी मेहनत से होगी। अधिकारों में वृद्धि होगी। सूर्य अग्नि तत्व का द्योतक होने से आपका तेज समाज के विभिन्न क्षेत्रों में व्याप्त होगा। जीवनी शक्ति आप में अच्छी रहेगी एवं दूसरों को प्रोत्साहित करने में कुशल रहेंगी। आपका भाग्य उच्च श्रेणी का होने से आप एक दिन अपने श्रम, लगन, स्थिर प्रकृतिवश सर्वोच्चता को प्राप्त करेंगी। सूर्य प्रकाशित ग्रह होने से आपको हमेशा प्रकाश में रहना सुखकर लगेगा और ऐसे ही कार्यक्षेत्र को पसन्द करेंगी, जिसमें नाम तथा यश दोनों ही मिलें।